Irrigation projects of Andhra Pradesh

*66. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA:

SHRI YELLA SESI BHUSHNA RAO:

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) the number and the details of the irrigation projects of Andhra Pradesh which are pending with Government for clearance as on date;

(b) whether it is a fact that in spite of submission of several clarifications and additional information by the Government of Andhra Pradesh the projects have not been given clearance so far; and

(c) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE AND THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (c) Six major and six medium irrigation projects, including the one received in August 1988, are pending for want of either environmental and forest clearance, inter-State issues or non-receipt of replies from the State Government on observations of the Central appraising agencies.

Non-availability of drugs in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi

*67. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that even life-saving drugs are not available in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi and that the relatives of the patients have to run for those medicines to chemists and the resultant delay leads to the death of patients;

(b) if so, what are the reasons for non-availability of such medicines at the hospital; and

(c) what remedial steps Government propose to take in this regard?

THE MININSTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MOTI LAL VORA): (a) No Sir.

(b) and (c) Does not arise.

नर्मदा सागर और सरदार सरोवर परियोजनाएं

*68. **श्री राम नरेश यादव :**

श्री अजीत जोगी :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के बुद्धिजीवियों और पर्यावरण, विशेषज्ञों ने हाल ही में सरकार को कोई ज्ञापन दिया है जिसमें नर्मदा सागर परियोजना और सरदार सरोवर परियोजना की पुनरीक्षा करने का आग्रह किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या यह सच है कि योजना आयोग द्वारा सरदार सरोवर परियोजना के लिए स्वीकृति और आवश्यक व्यय का अनुमोदन कर दिया गया है; यदि हां, तो क्या इस परियोजना से प्रभावित होने वाले जनजातीय और अन्य निर्धन व्यक्तियों के पुनर्वास पर धनराशि व्यय करने के बाद ही इस परियोजना पर कार्यारम्भ किया जायेगा ; और

(घ) यदि नहीं, तो प्रभावित होने वाले लोगों के पुनर्वास हेतु क्या अन्य कार्यक्रम बनाया गया है ?

विधि और न्याय मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) और (ख) मुख्य रूप से वित्त, पर्यावरण और पुनर्वास के पहलुओं पर नर्मदा घाटी परियोजना की पुनरीक्षा करने की मांग करते हुए हाल ही में एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया है ।

(ग) और (घ) जी हां, आदिवासियों और अन्य प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास पर चरणों में व्यय किया जा रहा है जो कि परियोजना के चरण-बद्ध निर्माण के साथ-साथ किया जा रहा है।

Mobile dispensaries in the rural areas

*69. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government propose to assist the State Governments in running mobile dispensaries in the rural areas; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MOTI LAL VORA): (a) No, Sir.

(a) No sir.

(b) Does not arise.

कुष्ठरोगी

*70. **श्री अजीत जोगी** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कुष्ठ रोग का प्रकोप बढता जा रहा है तथा कुष्ठ-रोगियों की संख्या जो 1970 में 25 लाख थी अब बढ़ कर 42 लाख हो गयी है;

(ख) क्या सरकार कुष्ठ रोगियों की संख्या में हो रही वृद्धि पर नियंत्रण पाने में असफल रही है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) कुष्ठ-रोगियों की संख्या पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है ; और

(घ) सरकार कुष्ठ-रोगियों के उचित पुनर्वास के लिए क्या कदम उठा रही है और क्या सरकार इस प्रकार उठाये गये कदमों को पर्याप्त समझती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) से (घ) नमूना सर्वेक्षण के आधार पर कुष्ठ की अनुमानित व्याप्तता दर 1961 में 0.58 प्रतिशत, 1971 में 0.58 प्रतिशत और 1981 में 0.57 प्रतिशत थी । इस प्रकार इसके रोगियों की अनुमानित संख्या 1961 में 26 लाख, 1971 में 32 लाख और 1981 में 39 लाख थी ।

कुष्ठ-रोगियों में वृद्धि को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :—

1. रोग का आरम्भ में ही पता लगाना और नियमित उपचार प्रदान करना ।
2. स्थानिकमारी वाले जिलों में चरणबद्ध ढंग से बहु-औषध उपचार उपलब्ध करना ।
3. विभिन्न वर्गों के कुष्ठ कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 45 कुष्ठ प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए हैं जिनमें 14 स्वैच्छिक क्षेत्र में हैं ।
4. स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों में तेजी लाना ।
5. कुष्ठ-रोगियों के सर्वेक्षण, शिक्षा, उपचार और पुनःस्थापन में स्वैच्छिक संगठनों का सक्रिय सहयोग प्राप्त करना ।
6. ठीक हो चुके कुष्ठ रोगियों के पुनः-स्थापन के लिए कुष्ठ पुनःस्थापन इकाइयों की स्थापना ।
7. कुष्ठ रोगियों को औषधों की निःशुल्क सप्लाई ।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोग मुक्त हो चुके रोगियों के व्यावसायिक पुनः-स्थापन के लिए विभिन्न राज्यों में 13 कुष्ठ पुनःस्थापन संवर्धन यूनिटें खोली गई हैं । इसके इलावा कल्याण मंत्रालय द्वारा शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनःस्थापन के लिए "अपंग व्यक्तियों के संगठन को सहायता देने की योजना" चलाई जा रही है । शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों तथा स्वस्थ हो चुके रोगियों को इस योजना के अंतर्गत सुविधाएं प्रदान की जाती हैं ।